

राजस्थान कर बोर्ड, अजमेर

अपील संख्या - 364/2010/जयपुर

मैसर्स शिप मिनरल वाटर,  
एच-1-786, सीतापुरा इण्डस्ट्रियल एरिया,  
सांगानेर जयपुर

..... अपीलार्थी

बनाम

1. उपायुक्त(अपील्स)चतुर्थ,  
वाणिज्यिक कर, जयपुर
2. सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी,  
वार्ड-प्रथम, वृत्त-सी, जयपुर

.....प्रत्यर्थी

खण्डपीठ

श्री ईश्वरी लाल वर्मा-सदस्य  
श्री मोहन लाल नेहरा-सदस्य

**उपस्थित : :**

श्री अलकेश शर्मा  
अधिकृत अभिभाषक  
श्री रामकरण सिंह,  
उप राजकीय अभिभाषक

.....अपीलार्थी की ओर से

.....प्रत्यर्थी की ओर से

**दिनांक : 29/02/2016**

निर्णय

1. अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा यह अपील उपायुक्त (अपील्स), चतुर्थ, वाणिज्यिक कर जयपुर (जिसे आगे 'अपीलीय अधिकारी' कहा गया है) के अपील संख्या 17/अपील्स-चतुर्थ/2007-08/सी में पारित किये गये आदेश दिनांक 29.12.2009 के विरुद्ध राजस्थान विक्रय कर अधिनियम, 1994 (जिसे आगे 'अधिनियम' कहा जायेगा) की धारा 85 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गयी है।
2. प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि अपीलार्थी व्यवहारी मिनरल वाटर का निर्माण कर कन्टेनर्स(जार) में पैक करके विक्रय करता है। सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी, घट-प्रथम, वृत्त-सी, जयपुर (जिसे आगे 'कर निर्धारण अधिकारी' कहा जायेगा) द्वारा अपीलार्थी व्यवहारी के आलौच्य अवधि 01.04.2004 से 31.03.2005 (वर्ष 2004-05) का कर निर्धारण आदेश दिनांक 30.03.2007 को पारित करते हुए कर योग्य बिक्री रू० 1,32,480/- पर 14 प्रतिशत की दर से कर रूपये 18,547/-, बिक्री विवरण प्रपत्र विलम्ब से प्रस्तुत किये जाने के कारण धारा 61 के तहत शास्ति रूपये 3,709/- एवं धारा 58 के तहत ब्याज रूपये 5,5,64/- कुल रूपये 27,820/- का आरोपण किया गया। अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा उक्त आदेश को अपीलीय अधिकारी के समक्ष चुनौती दिये जाने पर अपीलीय अधिकारी के अपीलाधीन आदेश दिनांक 29.12.2009 से अपीलार्थी व्यवहारी की अपील अस्वीकार किये जाने से व्यथित होकर, अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा यह प्रस्तुत की गयी।
3. अपीलार्थी के विद्वान अभिभाषक ने अपीलीय आदेश को विधिविरुद्ध बताते हुए कथन किया कि कैम्पर का उपयोग सिर्फ पानी को सुरक्षित क्रेता तक पहुंचाने के लिये किया जाता है, ना कि पानी के साथ ही विक्रय कर दिया जाता है। राज्य सरकार की अधिसूचनाओं के अनुसार वह पानी कर योग्य है, जो कन्टेनर सहित





लगातार.....2



**11. Water excluding distilled, mineral or aerated waters.**

इसी प्रकार राज्य सरकार की अधिसूचना संख्या एफ.4(1)एफडी/टैक्स-डिवी./2000-282 दिनांक 30.3.2000 के द्वारा अधिसूचना दिनांक 28.9.1995 की प्रविष्टि संख्या 11 में निम्न प्रकार संशोधन किया गया है :-

**S.NO. 1158 : F.4(1)FD/Tax Div./2000-282 dated 30.3.2000**

**S.O.358.-** In exercise of the powers conferred by Section 15 of the Rajasthan Sales Tax Act, 1994 (Rajasthan Act No. 22 of 1995) the State Government being of the opinion, that it is expedient in the public interest to do so, hereby makes the following amendments, in this Department's notification No. F.4(25)FDGr.IV/92-Pt.II-21 (S.No.791) dated 28.09.1995, namely:-

**AMENDMENT**

In the said notification-

For the existing entry "Water excluding distilled, mineral or aerated waters." at Item No., 11, the following shall be substituted, namely-

**"11. Water excluding (a) water sold in sealed bottles or containers: (b) distilled water, (c) mineral water: and (d) aerated waters."**

माननीय उच्चतम न्यायालय के उद्धरित न्यायिक दृष्टान्त मैसर्स बालकृष्ण हैचरीज में निम्न सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है :-

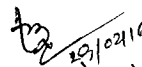
"Karnataka Sales Tax Act, 1957 - Section 5(3)(a), Entry 22 of the Fifth Schedule of the Karnataka Sales Tax Act, 1957 and Entry 8(viii) of Part-F of Second Schedule - "Whether dressed chicken when sold in a polythene bag which is closed by a staple or closed by crimping and twisting an aluminium wire around the crimp can be considered to be a sale in the sealed container? If it is sale in a sealed container, it is not exempt from Sales Tax but if it is not, it is exempt. "While allowing the appeal, the Supreme Court held that :- "In our opinion in cases of both stapling and crimping the staple and pins can be removed by the customer without breaking anything It is thus held that the chicken in question is not sold in sealed container."

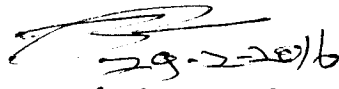
उपरोक्त अधिसूचनाओं एवं माननीय उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त वर्णित निर्णय में दी गई व्यवस्था तथा कर बोर्ड की खण्डपीठ द्वारा पारित न्यायिक दृष्टान्तों के प्रकाश में, यह स्पष्ट है कि अपीलार्थी द्वारा बेचा गया पानी का कन्टेनर सील्ड कन्टेनर नहीं है। पानी को कन्टेनर सहित नहीं बेचा जाता है। अतः अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा कन्टेनर में बिक्रीत पानी कर योग्य माल की श्रेणी में नहीं आने के कारण, कर निर्धारण अधिकारी तथा अपीलीय अधिकारी द्वारा कर योग्य मानते हुए विधिक त्रुटि की गयी है

इसी प्रकार अधिनियम की धारा 61 के तहत शास्ति आरोपित किये जाने से पूर्व कर निर्धारण अधिकारी द्वारा अपीलार्थी व्यवहारी को कोई विशिष्ट नोटिस दिया जाना भी कर निर्धारण अधिकारी की पत्रावली से स्पष्ट नहीं होता है। ऐसी स्थिति में धारा 61 के तहत शास्ति का आरोपण भी विधिसम्मत नहीं माना जा सकता तथा अपीलीय अधिकारी द्वारा शास्ति यथावत रखे जाने में विधिक त्रुटि की है।

6. परिणामस्वरूप अपीलार्थी व्यवहारी द्वारा प्रस्तुत अपील स्वीकार की जाती है तथा अपीलीय अधिकारी के आदेश दिनांक 29.12.2009 को अपास्त किया जाता है।

निर्णय सुनाया गया।

  
(मोहन लाल नेहरा)  
सदस्य

  
( ईश्वरी लाल वर्मा )  
सदस्य